

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY DELHI
DIRECTORATE OF EDUCATION: SCHOOL BRANCH (HEALTH)
OLD SECRETARIAT: DELHI-110054

No. DE.23 (386)/Sch.Br./SHP/2023-24/197-204

Dated: 27.07.2023

CIRCULAR

Sub: Advisory on Conjunctivitis (Eye Flu) Prevention.

Delhi is witnessing a sudden outbreak of conjunctivitis (Eye Flu) since heavy rains; water logging and floods lashed the national capital in the last few days. Cases of pink eye are being reported in higher numbers.

As we all know that, Conjunctivitis (Eye Flu), or pink eye, is an irritation or inflammation of the conjunctiva, which covers the white part of the eyeball. It can be caused by allergies or a bacterial or viral infection. Conjunctivitis (Eye Flu) can be extremely contagious and is spread by contact with eye secretions from someone who is infected.

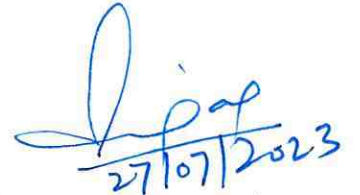
Preventing the eye flu is necessary for avoiding the inconveniences caused by the infection. One must maintain good hygiene which includes washing hands and avoiding touching eyes with bare or unwashed hands. One must also avoid sharing personal belongings like towels, lenses or glasses. The area where you live should be cleaned properly.

Heads of all Govt./ Govt. Aided/ Pvt. Unaided Recognized Schools are thus directed to disseminate the advisory issued by SPO-NPCB & VI Delhi.

Further HoSs are instructed to display advisory on prominent places in school premises and also to read out in school assembly.

This issues with the prior approval of competent authority.

Enclosure: As above.


27/07/2023

(Sanjay Subhas Kumar)
DDE (Exam) (L.O)


All Heads of Govt./Govt. Aided/ Pvt. Unaided Recognized Schools under DoE through DEL-E.

No. DE.23 (386)/Sch.Br./SHP/2023-24/197-204

Dated: 27.07.2023

Copy to:-

1. PS to Pr. Secretary (Education).
2. PA to Director (Education).
3. PA to MHO (MCD)
4. PA to Addl. DE (Schools).
5. SPO-NPCB & VI Delhi
6. All RDEs, DDEs (District/Zone) to ensure compliance.
7. System Analyst (MIS) for uploading on MIS.
8. Guard file.


27/7/23

Dr. Sunita Mittal
OSD (Health)

कंजंक्टिवाइटिस (Conjunctivitis)

कंजंक्टिवाइटिस आँखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना भी कहते हैं। कंजंक्टिवाइटिस होने पर आंखे लाल होने के साथ ही उसमें सूजन भी आ जाती है।

कंजंक्टिवाइटिस के जोखिम

निम्नलिखित कारकों से संक्रामक प्रकार के कंजंक्टिवाइटिस होने का जोखिम बढ़ जाता है -

1. संक्रमित लोगों के सम्पर्क में आने से
2. दूषित सतहों को छूने या सम्पर्क में आने से
3. दूषित तौलिये का इस्तेमाल करने से
4. दूषित पानी में तैरने से

कंजंक्टिवाइटिस के लक्षण

1. आँख में लालपन
2. आँख में दर्द आँख में कुछ चला जाना और आँख में किरकिरा पन महसूस होना
3. लाइट से परेशानी होना आँख से पीला-पीला पानी आना
4. आँखों में कीचड़ जमा हो जाना
5. पलकों का लाल हो जाना और सूजी हुई पलकें दिखाई देना
6. रोशनी से दिक्कत महसूस होना

कंजंक्टिवाइटिस से बचाव

कंजंक्टिवाइटिस से बचाव के लिए

1. बार बार हाथों को धोना
2. आँखों को छूने या रगड़ने से बचना
3. दूषित पानी में न तैरना
4. बचाव के लिए चश्मा पहने

लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह लें।

कंजंक्टिवाइटिस के लक्षणों को कम करने के उपाय

1. आँखों में जलन और खुजली होने पर आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें।
2. रुई को पानी में भिगोकर दिन में दो बार पलकों पर जमे हुए चिपचिपे आई डिस्चार्ज को साफ़ करें।
3. यदि एक आँख संक्रमित नहीं है, तो दोनों आँखों के लिए एक ही आई ड्रॉप बॉटल का इस्तेमाल करने से बचें।
4. पलकों और चेहरे को माइल्ड साबुन से धोए बाहरी कर्णों को बाहर निकलने के लिए पानी से आँखों को साफ़ करें।
5. आँखों को रगड़ें नहीं, क्योंकि इससे लक्षण और गंभीर हो सकते हैं।
6. आँखों में आई ड्रॉप डालने से पहले अपने हाथों को धो लें।

